Dinesh Chandra Dev Goswami Library
Acc. No. ....
Date ....
Jengraimukh Girls' College

2016

HINDI

(Major)

Paper : 4.2

(Chhayavadottar Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'सोन मछली' नामक कविता के रचयिता कौन हैं?

(ख) 'मुक्तिबोध' का सम्पूर्ण नाम क्या है?

(ग) 'छायावादोत्तर काव्य-संग्रह' काव्य-संकलन के सम्पादक कौन हैं?

(घ) "मैं चकतियों की जगह आँखें टाँकता हूँ
और पेशे में पड़े हुए आदमी को
बड़ी मुश्किल से निबाहता हूँ।"

उक्त पंक्तियाँ किस कविता की है?

(ङ) धर्मवीर भारती की किसी एक काव्य-कृति का नाम लिखिए।

(च) 'नई कविता' नामक पत्रिका का प्रकाशन कब आरम्भ हुआ था?

(छ) नागार्जुन का जन्म कहाँ हुआ था?

(ज) 'विजय : एक क्रमिक आत्महत्या' नामक कविता किस चरित्र के नाम से लिखी गई है?

(झ) 'औद्योगिक बस्ती' नामक कविता किसकी रचना है?

(ञ) 'स्त्री प्रत्यय' शीर्षक कविता पाठ्यक्रम में सन्निविष्ट किस काव्य-संग्रह से उद्धृत है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×5=10

(क) कवि ने 'बिछली घास' को किसके प्रतीक के रूप में उपस्थापित किया है?

(ख) 'मोचीराम' कविता में दिए गए संदेश को रेखांकित कीजिए।

(ग) 'भूल-गलती' शीर्षक कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

(घ) कवि ने शाम के लिए 'पीली' विशेषण का उपयोग क्यों किया है?

(ङ) 'सूर्यास्त' शीर्षक कविता में सूर्य के कहाँ डूबने का उल्लेख किया गया है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'कितनी नावों में कितनी बार' कविता में निहित भावार्थ को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पठित कविता के आधार पर 'दुपहरिया' का एक शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

(ख) 'कविता की मौत' शीर्षक कविता में व्यंजित भाव क्या है?

अथवा

'हजार बाहों वाला शिशिर' शीर्षक कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'एक पीली शाम' शीर्षक कविता में उभरे बिम्बों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

धूमिल रचित 'मेरी कविता' के वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए।

(घ) "प्रयोगवाद के स्वरूप की स्थापना में विभिन्न प्रकाशित काव्य-संकलनों की भूमिका रही है।"
उपर्युक्त के बारे में अपना विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

नई कविता में प्रयुक्त प्रतीकों के बारे में बताइए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) "बँधी लीक पर रेलें लादे माल
चिहुँकती और रँभाती अफराये डाँगर-सी
ठिलती चली जाती है।
उद्यम की कड़ी-कड़ी में बँधते जाते मुक्तिकाम
मानव की आशाएँ ही पल-पल
उसको छलती जाती है।"

अथवा

"मुझे विश्वास है
आप उसका सामना कर रहे हैं
मैंने उसका शिकार किया है
मुझे हर बार ऐसा ही लगता है
अब मैं उसे आग से निकलते हुए देखता हूँ।"

(ख) "आत्मचेतस् किन्तु इस
व्यक्तित्व में थी प्राणमय अनबन
विश्वचेतस् बे-बनाव!!
महत्ता के चरण में था
विषादाकुल मन!
मेरा उसी से उन दिनों होता मिलन यदि
तो व्यथा उसकी स्वयं जीकर
बताता मैं उसे उसका स्वयं का मूल्य
उसकी महत्ता!"

अथवा

"वासना डूबी
शिथिल पल में
स्नेह काजल में
लिए अद्भुत कोमलता
अब गिरा अब गिरा वह अटका हुआ आँसू
सांध्य तारक-सा
अतल में।"

5. धर्मवीर भारती विरचित 'टूटा हुआ पहिया' शीर्षक कविता के भावपक्ष पर विचार कीजिए। 10

अथवा

नागार्जुन की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए।

6. यथार्थ-चित्रण की दृष्टि से 'धूमिल' के कवि-व्यक्तित्व का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

'जनता की जमीन पर' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर अपना विचार व्यक्त कीजिए।

★★★